JAGRAN CITY PAGE I

बीएलएड पाठ्यक्रम में अब सीधे दाखिले का मौका

लवि ने कालेजों को 25 तक दिया प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने का अवसर दो चरणों की काउंसिलिंग होने के बाद भी खाली हैं सीटें

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित बीएलएड (बैचलर आफ एलीमेंट्री एजुकेशन) पाठ्यक्रम में अर्ह अभ्यर्थी अब सीधे दाखिला ले सकेंगे। दो चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी सीटें न भरने की वजह से विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को यह निर्णय लिया। दाखिले के लिए 25 अक्टूबर तक समय सीमा निर्धारित की है। इसमें वही अभ्यर्थी दाखिले के लिए पात्र होंगे, जो प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता पूरी करते हैं। इस संबंध में कुलसचिव डा.विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी कर दिए हैं।

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजधानी के 18 महाविद्यालयों में बीएलएड पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। इनमें कुल 750 सीटें स्वीकृत है। शैक्षिक सत्र 2021-22 के लिए अन्य पाठ्यक्रमों के साथ बीएलएड में भी आनलाइन आवेदन लिए गए थे। इसकी प्रवेश परीक्षा 25 अगस्त को आयोजित की गई थी। उसके बाद आनलाइन काउंसिलिंग शुरू हुई। दो चरणों की काउंसिलिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े कालेजों में बीएलएड की सीटें खाली है। इसलिए तय किया गया है कि इस कोर्स में सीधे प्रवेश दिया जाए।

तीसरे प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 25 अक्टूबर से : शैक्षिक सत्र 2021-22 में बैचरल आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं की आफलाइन कक्षाएं 25 अक्टूबर से शुरू होंगी। कोर्स के कोआर्डिनेटर प्रो. आरएस गुप्ता की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, मिड सेमेस्टर टेस्ट एवं (एंड सेमेस्टर) अंतिम वर्ष की परीक्षाओं के लिए 75 फीसद उपस्थिति अनिवार्य होगी।

परास्नातक तीसरे सेमेस्टर में विषय आवंटन सूची जारी: लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की ओर से परास्नातक तीसरे सेमेस्टर में इंटर डिपार्टमेंटल (वर्तमान के साथ दूसरे विभाग का एक विषय लिया जाना) विषयों की आवंटन सूची जारी दी है। इनमें करीब 324 छात्र-छात्राओं को अपने विभाग के साथ-साथ उनके द्वारा चुना हुआ दूसरे विभाग का एक-एक विषय आवंटित किया गया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि जैसे कोई छात्र बायोकेमेस्ट्री विभाग का है और उसने कम्प्यूटर साइंस या जूलाजी या अन्य दूसरा विषय लिया है, वह इंटर डिपार्टमेंटल कहा जाता है। इसकी सूची वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड की गई है।

परास्नातक के नौ और विषयों में हुआ सीट आवंटन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के नौ और विषयों में प्रवेश के लिए सीट आवंटन कर दिया। इनमें एमए एंथ्रोपोलाजी, एमएससी एंथ्रोपोलाजी, एमए मैथमैटिक्स, एमएससी मैथमैटिक्स, अप्लाइड जियोलाजी, एमएससी इंवायरमेंटल साइंस, एमएससी बायो टेक्नोलाजी, एमएससी बायो केमेस्ट्री और एमएससी जूलाजी विषय शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सीट आवंटन की सूचना अभ्यर्थियों के लाग इन पर 23 अक्टूबर को उपलब्ध होगी। जिन्हें सीट आवंटित हुई है, उनकी योग्यता की जांच विभाग आनलाइन करेगा। जांच के बाद योग्य अभ्यर्थी 25 अक्टूबर तक फीस जमा कर सकते हैं।

नतीजे जारी : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को स्नातक व परास्नातक के कई विषयों के नतीजे जारी कर दिए। इनमें एमजेएमसी द्वितीय सेमेस्टर (सीबीसीएस), एमए सोशल वर्क द्वितीय सेमेस्टर (सीबीसीएस), एमए हिन्दी चौथा सेमेस्टर, एमए योग प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस), एमकाम द्वितीय सेमेस्टर (द्वितीय सेमेस्टर), बीए-बीएससी योग प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस), एमए पर्शियन द्वितीय सेमेस्टर (सीबीसीएस) सहित कई विषय शामिल हैं।

लवि : 25 तक जमा होगी सम सेमेस्टर की फीस

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2020-21 के सम सेमेस्टर कक्षाओं के विद्यार्थियों को फीस जमा करने का एक और मौका दिया है। विद्यार्थी अपनी कक्षा के अनुसार विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों से आनलाइन अनुमति लेकर बिना विलंब शुल्क के 25 अक्टूबर तक अपनी सेमेस्टर फीस यूडीआरसी पोर्टल पर लॉगिन कर जमा कर सकते हैं। शुक्रवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी कर दिए हैं।

दरअसल, सम सेमेस्टर के बहुत से विद्यार्थी ऐसे हैं जो कोविड-19 महामारी की वजह से अभी तक अपनी फीस जमा नहीं कर पाए हैं। विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से अनुरोध किया था, जिसके बाद फीस जमा करने की तिथि बढ़ाई गई है।

विषम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को भी मौका: विश्वविद्यालय ने जिन विद्यार्थियों को विषम सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया है, उन्हें 31 अक्टूबर तक फीस का भुगतान आनलाइन करना होगा। बीएससी पाठ्यक्रम के विद्यार्थी (जीव विज्ञान समूह), बीएससी (गणित समूह) और बीए, जिन्हें चौथे सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया है। यदि वे सेमेस्टर पांच व छह में विषय विकल्प का चयन करना चाहते हैं तो उन्हें अपने विद्यार्थी आइडी का प्रयोग करके अपने यूडीआरसी पोर्टल पर लाग इन करना होगा। पोर्टल पर इस संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई हैं।

इनसे लेनी होगी अनुमति

- **स्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थी:** संबंधित संकाय के अधिष्ठाता कार्यालय
- **परास्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थी** : संबंधित विभागाध्यक्ष के कार्यालय
- **संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम के विद्यार्थी** : संबंधित संस्थान के निदेशक के कार्यालय

'समावेशी दृष्टिकोण अपनाएं'

लवि के मनोविज्ञान विभाग और एरा विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय अंत: शास्त्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। 'पॉजिटिव साइकोलॉजी इंटरवेंशन फॉर प्रोमोटिंड सस्टेनेबल हैप्पीनस' विषय पर हुए सम्मेलन में मुख्य वक्ता भूटान सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. टीएस पौडेल आनलाइन शामिल हुए। बोले कि हमें धरती पर सभी जीवन रूपों को शामिल करने के लिए अपने दृष्टिकोण का विस्तार करना होगा।

सत्यापन 23 को

लखनऊ विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग में एमएससी कम्प्यूटर साइंस में इस साल प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन 23 अक्टूबर को होगा। अभ्यर्थियों को सभी मूल अंक पत्र, प्रमाण पत्र जैसे हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, माइग्रेशन/स्थानांतरण, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र तथा सभी की एक छाया प्रति साथ लेकर सुबह 11 बजे कम्प्यूटर साइंस विभाग में उपस्थित होना होगा।

राजभवन ने मांगी दीक्षा समारोह की जानकारी : राजभवन ने लखनऊ विश्वविद्यालय सहित सभी राज्य विश्वविद्यालयों से दीक्षा समारोह के बारे में सूचनाएं मांगी हैं। जारी पत्र में पूछा गया है कि विश्वविद्यालय अपने यहां होने वाले दीक्षा समारोह की तिथि, दिए जाने वाले पदक, डिग्री की संख्या और मुख्य अतिथि के बारे में बताएं। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक, राजभवन से पत्र मिलने के बाद अब जल्द ही लखनऊ विश्वविद्यालय में तिथि प्रस्तावित करने से लेकर अन्य तैयारियों के संबंध में बैठक होगी। विश्वविद्यालय ने बीते वर्ष अपना दीक्षा समारोह स्थापना दिवस सप्ताह में आयोजित किया था।

THE PIONEER PAGE 3

India, US share much in common: Prof Richards

Lucknow (PNS): India and the United States share much in common and even though the US is an old democracy, it has much to learn from the developments taking place in newer democracies like South Africa and India, Prof David Richards from New York University of Law said while speaking at an international webinar on 'Transcending Hender Norms — An International Human Rights Perspective', organised by the Faculty of Law, Lucknow University, on Friday.

Several renowned speakers addressed issues like gay rights, preventing discrimination against women, gender justice, gender sensitivity and reproductive rights of women.

Prof Richards presented his paper on 'Comparative constitutional law developments in USA, South Africa and India as the source of development in gay rights' at the webinar. He expressed appreciation for the two judgments of the Supreme Court of India of Justice (Retd) PS Puttaswamy case and Suresh Kumar Kaushal case. He quoted excerpts from the judgment referring to opinions of Justice DY Chandrachud and Justice Dipak Misra as an important development and departure from the earlier colonial regime in India. Director of Indian Law Institute Prof Manoj Kumar Sinha, an authority in human rights and international law, spoke on convention of elimination of all forms of discrimination against women to which India is a signatory. He spoke on the role played by Hansa Mehta in drafting the Universal Declaration of Human Rights and changing its terminology from 'all men are born free' to 'all human beings are born free', thus making it inclusive of all genders. Senior advocate Priya Hingorani spoke on gender sensitivity in justice delivery System. She spoke on the increasing participation of women in judiciary to ensure gender sensitivity. In her interactive session with students of LU as well as other participants, she emphasised on PIL as an important tool for making justice delivery more inclusive of all genders.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीएलएड की खाली सीटों पर होंगे सीधे प्रवेश

लखनऊ विश्वविद्यालय ने संबद्ध कॉलेजों को 25 तक का दिया समय, दो चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी खाली थीं सीटें

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध 18 कॉलेजों की बीएलएड की खाली सीटों पर सीधे प्रवेश लिए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को निर्देश जारी करते हुए कॉलेजों को 25 अक्तूबर तक का समय दिया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में बीएलएड की 750 सीटें हैं। जानकारी के अनुसार इसमें से काफी सीटें खाली हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2021-22 के लिए बीएलएड में प्रवेश के लिए पहले काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। दो चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी सीटें पूरी नहीं भरी। इस क्रम में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने एक आदेश जारी कर कहा है कि दो चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े कॉलेजों में बीएलएड की सीटें खाली हैं। इस क्रम में जो विद्यार्थी बीएलएड प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए हैं और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता पूरी करने वालों को सीधे प्रवेश लिए जाने की अनुमति दी जाती है। कॉलेज 25 सितंबर तक इसकी प्रक्रिया पूरी करके विश्वविद्यालय प्रशासन को सूचित करेंगे।

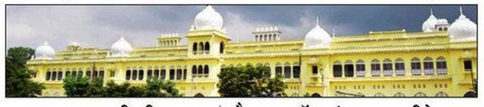

एमएससी सीएस का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आज

लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष ने एक सूचना जारी कर कहा है कि एमएससी कंप्यूटर साइंस में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी शैक्षिक योग्यता से जुड़े सभी मूल प्रमाण पत्रों की जांच 23 अक्तूबर को सुबह 11 बजे से विभाग में कराएं।

बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन की कक्षाएं 25 से

लखनऊ विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) पहले सेमेस्टर की ऑफलाइन कक्षाएं 25 अक्तूबर से शुरू होंगी। कोर्स समन्वयक प्रो. आरएस गुप्ता ने सूचना जारी कर बताया कि मिड सेमेस्टर टेस्ट व अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य है।

पीजी के कई कोर्सों में सीट आवंटन जारी

लविवि प्रशासन ने पीजी प्रवेश परीक्षा के तहत डेढ़ दर्जन कोर्सों का सीट आवंटन शुक्रवार को जारी कर दिया। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर के अनुसार एमए एंथ्रोपोलॉजी, एमएससी एंथ्रोपोलॉजी, एमए मैथ्स, एमएससी मैथ्स, अप्लाइड जियोलॉजी, एमएससी इनवायरमेंटल साइंस, एमएससी बायो टेक्नोलॉजी, एमएससी बायो केमिस्ट्री, एमएससी जियोलॉजी का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है, जो अभ्यर्थियों के लॉगिन पर 23 अक्तूबर को उपलब्ध होगी। जिन अभ्यर्थियों को सीट अलॉट हुई है उनकी योग्यता की जांच विभाग द्वारा ऑनलाइन की जाएगी। इसके बाद अभ्यर्थी अपनी फीस ऑनलाइन 25 अक्तूबर तक जमा करें।

25 तक जमा होगा सेमेस्टर शुल्क

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने सम सेमेस्टर के उन विद्यार्थियों जो कोविड-19 के कारण अपना शुल्क नहीं जमा कर सकते हैं, उनको एक बार फिर राहत दी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ऐसे विद्यार्थियों की मांग पर 25 अक्तूबर तक बिना विलंब शुल्क के यूडीआरसी पोर्टल पर जमा कर सकते हैं। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा है कि यूजी के विद्यार्थी अपने डीन, पीजी के अपने विभाग व संस्थानों के विद्यार्थी अपने यहां निदेशक कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

महिलाओं के खिलाफ सभी भेदभावों का हो उन्मूलन

लखनऊ विवि के विधि संकाय की वेबिनार में वक्ताओं ने रखे विचार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा 'लैंगिक मानदंड : एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य' पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को किया। वेबिनार में प्रसिद्ध वक्ताओं ने समलैंगिक अधिकार, महिलाओं के खिलाफ भेदभाव की रोकथाम, लिंग न्याय, लिंग संवेदनशीलता और महिलाओं के प्रजनन अधिकार जैसे मुद्दों पर बात की।

मुख्य वक्ता न्यूयॉर्क के डेविड रिचड्र्स ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका समलैंगिक अधिकारों में अत्यधिक समानता है और भले ही संयुक्त राज्य अमेरिका एक पुराना लोकतंत्र है। लेकिन इसे दक्षिण अफ्रीका और भारत जैसे नए लोकतंत्रों में हो रहे विकास से बहुत कुछ सीखना है।भारतीय विधि संस्थान के निदेशक प्रो. मनोज कुमार सिन्हा ने महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर जोर दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष के क्षेत्रों में महिलाओं को वार्ताकार के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता प्रिया हिंगोरानी ने न्याय वितरण प्रणाली में लिंग संवेदनशीलता पर बात की। उन्होंने लैंगिक संवेदनशीलता सुनिश्चित करने के लिए न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर बात की। कार्यक्रम को ऋषि देव शर्मा, सेतु गुप्ता, डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह ने भी संबोधित किया।

सतत खुशी के लिए सकारात्मकता जरूरी

लखनऊ। आज हमारे पास जो कुछ भी है उसके लिए हमें अपने पूर्वजों का आभारी होना चाहिए। हमें सतत खुशी के लिए सकारात्मकता में विश्वास करना चाहिए, जो जीवन में नकारात्मक से अधिक मजबूत है। ये बातें पूर्व शिक्षा मंत्री भूटान सरकार प्रो. टीएस पौडेल ने कही। वह शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग और एरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और अंत: शास्त्रीय सम्मेलन 'पॉजिटिव साइकोलॉजी इंटरवेंशन फॉर प्रोमोटिंड सस्टेनेबल हैप्पीनेस' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन के संरक्षक लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने युवाओं के लिए खुशी का अर्थ समझाया। कार्यक्रम में एरा विवि के कुलपति फरजाना मेहंदी, डीन आर्ट्स प्रो. साक्षी शुक्ला, प्रो. राकेश चंद्रा, डॉ. पूजा शर्मा, प्रो. मधुरिमा प्रधान आदि ने संबोधित किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

हैप्पी थिंकिंग लैब की ओर से कार्यशाला का आयोजन

PIONEER PAGE 3

लविवि: कोविड के चलते शुल्क न जमा कर पाने वाले छात्रों को एक और मौका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के सम सेमेस्टर के वे विद्यार्थी जिन्होंने कोविड 19 के कारण अभी तक अपनी फीस जमा नहीं की है वे 25 अक्टूबर तक बिना विलम्ब शुल्क के फीस जमा कर सकते हैं। इस बाबत शुक्रवार को कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। कुलसचिव ने बताया कि छात्रों के अनुरोध पर कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने छात्रों को फीस जमा करने का यह आखिरी मौका दिया है। फीस जमा करने के लिए छात्रों को पहले की तरह ऑनलाइन अनुमति लेकर यूडीआरसी पोर्टल पर लॉगइन करके फस जमा करनी है। स्नातक के छात्रों को सम्बंधित डीन से अनुमति लेनी है। पीजी के छात्रों को सम्बंधित विभागध्यक्षों से और संस्थानों के छात्रों को निदेशक कार्यालय से अनुमति मिलेगी। एलयू प्रशासन का कहना है कि अब इसके बाद फीस जमा करने के लिए तारीखें आगे नहीं बढ़ाई जाएंगी।

विषम सेमेस्टर के लिए 31 तक मौका

जिन छात्रों को विषम सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया है, उन्हें फीस जमा करने के लिए 31 अक्टूबर तक का मौका दिया गया है। वहीं बीएससी बायो और मैथ्स व बीए के वे छात्र जिन्हें चौथे सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया है तथा वे पांचवे और छठे सेमेस्टर में विषय विकल्प का चयन करना चाहते हैं, उन्हें अपनी आईडी से यूडीआरसी पोर्टल पर लॉगइन करना होगा। वहीं पर उनके लिए गाइडलाइन उपलब्ध हैं। वहीं एमएससी कम्प्यूटर साइंस में दाखिला लेने वाले अभ्यर्थियों को शनिवार को अपने प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन कराना है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: सात विषयों की मेरिट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी दाखिलों के अंतर्गत शुक्रवार को सात विषयों की प्रोवीजनल मेरिट सूची वेबसाइट lkouniv.ac.in के एडमिशन पेज पर पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम में जारी कर दी गई है। इसमें उपलब्ध सीटों के सापेक्ष मेरिट के अनुसार सीट आवंटन भी कर दिया गया है।

एमएससी कम्प्यूटर सांइस का सत्यापन आज: एमएससी कम्प्यूटर साइंस के अभ्यर्थियों को शनिवार को अपने प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराना है। कम्प्यूटर साइंस विभाग में सुबह 11 बजे सम्पर्क करना है।

एलयू: 25 तक फीस जमा करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के सम सेमेस्टर के वे विद्यार्थी जिन्होंने कोविड-19 के कारण अभी तक अपनी फीस जमा नहीं की है, 25 अक्तूबर तक बिना विलम्ब शुल्क के फीस जमा कर सकते हैं। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि छात्रों के अनुरोध पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने फीस जमा करने का यह आखिरी मौका दिया है।

ऑनलाइन अनुमति लेकर यूडीआरसी पोर्टल पर फीस जमा करनी है। स्नातक के छात्रों को डीन से अनुमति लेनी है। पीजी के छात्रों को विभागध्यक्षों और संस्थानों के छात्रों को निदेशक कार्यालय से अनुमति मिलेगी।

बीएलएड में सीधे प्रवेश दें कॉलेज

लखनऊ। एलयू में बीएलएड काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके बाद भी कई कॉलेजों में सीटें खाली बची हुई हैं। इन सीटों पर अब कॉलेज सीधे प्रवेश दे सकते हैं।

इस संबंध में एलयू कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया कि जो अभ्यर्थी प्रवेश की न्यूनतम योग्यता पूरी करते हों, कॉलेज उन्हें अपने यहां सीधे प्रवेश दे सकते हैं।

बीएलएड की खाली सीटों को भरने के लिए 25 तक होंगे सीधे एडमिशन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएलएड काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद कई कॉलेजों में सीटें खाली बची हुई हैं। इन सीटों पर अब कॉलेज डायरेक्ट एडमिशन दे सकते हैं। इस संबंध में शुक्रवार को विवि के कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि जो अभ्यर्थी एडमिशन की न्यूनतम योग्यता पूरी करते हों।

वेबिनार में ज्वलंत मुद्दों पर हुई विद्वानों ने रखे विचार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने शुक्रवार को 'लैंगिक मानदंड-एक अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार परिपेक्ष्य' पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में विभिन्न वक्ताओं ने समलैंगिक अधिकार, महिलाओं से भेदभाव की रोकथाम, लिंग न्याय, लिंग संवेदनशीलता और महिलाओं के प्रजनन अधिकार जैसे मुद्दों पर बात की। इसमें प्रोफेसरों, वकीलों और कानून के छात्रों सहित 150 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डेविड रिचड्र्स थे, जो कि न्यूयॉर्क से वेबिनार में शामिल हुए। डेविड रिचड्र्स न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ में संवैधानिक और आपराधिक कानून के प्रोफेसर हैं और 20 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि : एमएससी छात्रों का सत्यापन आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी कम्प्यूटर साइंस में दाखिला लेने वाले अभ्यर्थियों को शनिवार को अपने प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन कराना है। इसके लिए उन्हें अपनी शैक्षिक योग्यता से सम्बंधित मूक अंकपत्रों, प्रमाण पत्रों, माइग्रेशन सर्टिफिकेशन, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र और एक सेट में इन सभी की फोटोकॉपी लेकर कम्प्यूटर साइंस विभाग के कार्यालय में सुबह 11 बजे सम्पर्क करना है।

छात्रवृत्ति नवीनीकरण के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी छात्र-छात्राओं को राहत मिल गई है। अब बीएससी के छात्र पोर्टल पर शुल्क प्रतिपूर्ति, छात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय बनाकर छात्रवृत्ति पोर्टल पर ब्रांच चयन विकल्प मौजूद नहीं होने की समस्या का समाधान एनआईसी के माध्यम से करा लिया है।

NBT PAGE 4

एलयू के 30 शोधार्थियों ने बनाया ऑनलाइन फोरम 'वेब गुरुकूल'

■ **एनबीटी, लखनऊ:** लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग (एआईएच) के 30 शोधार्थियों के समूह ने एक ऑनलाइन फोरम 'वेब गुरुकूल' बनाया है। यह एक ऐसा मंच है, जहां शोधार्थी अपने शोध पत्र साझा करते हैं। इन शोध पर आने वाली टिप्पणियों और सुझावों पर गौर करते हैं ताकि, प्रकाशन से पहले शोध को और बेहतर किया जा सके।

एआईएच संकाय प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि 'वेब गुरुकूल' पर महीने के हर दूसरे और चौथे शनिवार शाम को अकादमिक सत्र रखते हैं। हममें से एक लगभग 30 मिनट की प्रस्तुति देता है। फिर हमारे पास सुधार के लिए टिप्पणियों, सवालों और सुझावों का एक सत्र होता है। मंच पूरी तरह से अनौपचारिक है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी अन्य महाविद्यालय के शिक्षक, स्नातक और परास्नातक के विद्यार्थी भी हमारे साथ ऑनलाइन जुड़ते हैं। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि नालंदा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज के डीन प्रो. अभय कुमार सिंह शनिवार को पहला डीआर भंडारकर मेमोरियल ऑनलाइन व्याख्यान देंगे।

शोधार्थी साझा करते हैं अपने शोध पत्र